आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ता देश : पुरी

10.6 करोड़ घरों में किफायती एलपीजी का उपयोग

हर दिन 6.7 करोड़ लोग भरवाते हैं ईंधन

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर. भारत में ऊर्जा उपभोग का दायरा तेजी से बढ़ रहा है. केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को बताया कि देश के करीब 10.6 करोड़ घरों में किफायती एलपीजी का उपयोग किया जा रहा है, जबकि हर दिन लगभग 6.7 करोड़ लोग अपने वाहनों में ईंधन भरवाते हैं.

उन्होंने कहा कि यह आंकड़े भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल और एलपीजी उपभोक्ता बनाते हैं.

तेल खोज और निवेश में बड़ी प्रगति

हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी के दसवें दौर के तहत 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को तेल और गैस की खोज के लिए खोला गया है. उन्होंने कहा कि अनुमतियों की संख्या 37 से घटाकर 18 कर दी गई है, जिससे व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा मिला है. उन्होंने बताया कि अपस्ट्रीम सेक्टर में तेल की खोज और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 1.3 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया गया है. इसके अलावा, 2022 से अब तक लगभग 10 लाख वर्ग किलोमीटर पहले प्रतिबंधित ऑफशोर क्षेत्रों को फिर से खोज के लिए खोला गया है.

पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा संदेश में बताया कि भारत आज गहरे पानी में तेल की खोज से लेकर हरित हाइड्रोजन और बायोएनर्जी के क्षेत्र में तेज प्रगति कर रहा है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक सुरक्षित, टिकाऊ और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का निर्माण कर रहा है.

ऊर्जा क्षेत्र में भारत बना वैश्विक केंद्र- मंत्री ने बताया कि भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक और एक वैश्विक रिफाइनिंग हब बन चुका है. वर्तमान में देश में हर दिन लगभग 5.5 मिलियन बैरल तेल की खपत होती है. उन्होंने कहा कि भारत में ऊर्जा केवल ईंधन नहीं, बल्कि नए भारत की धड़कन है, जो उद्योगों को शक्ति देती है.

एफपीआई ने किया 3,240 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश

मुंबई, 12 अक्टूबर. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में 3,240 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है. शुद्ध निवेश बाजार में लगायी गयी राशि और निकाली गयी राशि का अंतर होता है. इस महीने एफपीआई ने जहां इक्विटी में बिकवाली जारी रखी है, वहीं डेट में उनकी जबरदस्त खरीद जारी है. सीडीएसएल के आंकड़ों अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अक्तूबर में शुद्ध रूप से 2,091 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है. वहीं, डेट में उन्होंने 4,819 करोड़ रुपये का निवेश किया है. इसके अलावा म्यूचुअल फंड से एफपीआई ने 82 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की जबकि हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में उनका निवेश 594 करोड़ रुपये बढ़ गया.

मैपल्स' तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक

ऐप में थ्री-डी जंक्शन व्यू और शॉप-लेवल नेविगेशन जैसी आधुनिक सुविधाएँ

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर. भारत में विकसित नेविगेशन एप्लीकेशन 'मैपल्स' को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपनी कार में इस्तेमाल करने के बाद उच्च स्तरीय और सटीक तकनीक वाला ऐप बताते हुए इसकी खुलकर सराहना की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा करते हुए देशवासियों से इस स्वदेशी ऐप को अपनाने और उपयोग करने की अपील की.

वैष्णव ने बताया कि उन्होंने 'मैपल्स' की डेवलपर टीम से मुलाकात की, जिसने उन्हें जानकारी दी कि यह एप्लीकेशन अब देश के लगभग सभी भारतीय वाहन निर्माताओं (ओईएम) के वाहनों में प्री-इंस्टॉल्ड रूप में उपलब्ध है.

सुरक्षित ड्राइविंग और सटीक मार्गदर्शन

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह ऐप भारत की डिजिटल और नेविगेशन तकनीक के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास का प्रतीक है. इसके रियल-टाइम ड्राइविंग अलर्ट फीचर की मदद से चालक को स्पीड लिमिट, दुर्घटना संभावित क्षेत्र, तीखे मोड़, स्पीड ब्रेकर और सीसीटीवी कैमरों के स्थानों की जानकारी पहले से मिल जाती है, जिससे सुरक्षित ड्राइविंग को बढ़ावा मिलता है.

थ्री-डी व्यू और शॉप-लेवल नेविगेशन की सुविधा- मंत्री ने बताया कि ऐप में कई ऐसी सुविधाएं हैं जो इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाती हैं. उन्होंने कहा, जहां कहीं भी ओवरब्रिज या अंडरपास हैं, वहां यह ऐप थ्री-डी जंक्शन व्यू दिखाता है, जिससे ड्राइविंग के दौरान भ्रम की स्थिति नहीं बनती.

उन्होंने आगे बताया कि 'मैपल्स' ऐप उन स्थानों पर भी दिशा बताने में मदद करता है, जहाँ एक ही बिल्डिंग में कई मंजिलें या दुकानें होती हैं. ऐप उपयोगकर्ता को यह भी बताता है कि उसे किस फ्लोर या दुकान तक जाना है.

चेन्नई कस्टम्स पर शिकंजा

विनट्रैक प्रकरण : धोखाधड़ी की आशंका, दलाल निलंबित

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर. चेन्नई स्थित आयात-निर्यात कंपनी विनट्रैक इंक के भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के आरोपों ने सीमा शुल्क विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

सोशल मीडिया पर उठे इस विवाद के बाद अब केंद्र सरकार और राजस्व विभाग हरकत में आ चुके हैं विनट्रैक इंक द्वारा चेन्नई कस्टम अधिकारियों पर लगाए गए भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के आरोपों के बाद राजस्व विभाग की प्राथमिक जांच रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताओं की पुष्टि हुई है.

इस रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने सतर्कता जांच शुरू कर दी है और कई अधिकारियों को उनके वर्तमान पदों से हटाकर अन्यत्र तैनात कर दिया गया है. साथ ही एक सीमाशुल्क दलाल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है. सीबीआईसी के अनुसार, जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि आयातक कंपनी के एजेंटों और कुछ अनधिकृत बिचौलियों की मिलीभगत से निजी स्तर पर धोखाधड़ी की गई है. इस सिलसिले में कुछ अनधिकृत दलालों के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई गई है.

सीबीआईसी ने स्पष्ट किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच विजलेंस विभाग को सौंप दी गई है और आगामी 4 से 6 सप्ताह में रिपोर्ट आने की उम्मीद है. जांच को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए चेन्नई कस्टम के कई अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर अन्य स्थानों पर भेजा गया है.

भारत-कनाडा में व्यापार पर संवाद

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर. कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद की भारत यात्रा से पहले दोनों देशों के वाणिज्य मंत्रियों के बीच हुई बातचीत से संकेत मिलते हैं कि भारत और कनाडा के बीच हाल के तनावों के बाद अब व्यापारिक और आर्थिक मोर्चे पर संबंधों को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिशें तेज़ हो रही हैं. भारत और कनाडा के बीच हाल ही में उत्पन्न तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल के बीच अब आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिशें दिखने लगी हैं. कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद की प्रस्तावित भारत यात्रा से एक दिन पहले भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के वाणिज्य मंत्री मनिंदर सिद्धु के बीच टेलीफोन पर एक अहम बातचीत हुई.

निवेश बढ़ाने सेबी करेगी केवाईसी सरल

घरेलू निवेशकों के बाद अब प्रवासी भारतीयों पर सेबी का फोकस

देश में 63% परिवार बाजार जानते, पर सिर्फ 9.5% निवेशक

मुंबई, 12 अक्टूबर. प्रतिभूति बाजार में अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) की भागीदारी बढ़ाने के लिए सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा है कि उनके लिए केवाईसी प्रक्रिया को आसान और सुरक्षित बनाना नियामक संस्था का तात्कालिक लक्ष्य है.

मुंबई में आयोजित बीएफएफ कैपिटल मार्केट कॉन्फ्लुएंस 2025 को संबोधित करते हुए पांडे ने कहा कि घरेलू निवेशकों के लिए केवाईसी मानदंडों को पहले ही सरल बनाया जा चुका है, जिसके बाद वे बिना किसी जटिल

प्रक्रिया के लेनदेन और निवेश कर सकते हैं. हालांकि, एनआरआई निवेशकों के लिए यह प्रणाली अब भी सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता रखती है.

उन्होंने कहा, निवेशक जागरूकता में हमें अभी लंबा सफर तय करना है. घरेलू निवेशकों के लिए हमने प्रक्रिया को सरल बनाया है, लेकिन एनआरआई की भागीदारी को सहज बनाने के लिए उनके लिए एक सरल और सुरक्षित केवाईसी एक्सेस सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है.

भागीदारी बढ़ाना सेबी की प्राथमिकता

सेबी प्रमुख ने कहा कि एक मजबूत और स्थिर बाजार वही होता है, जिसमें व्यापक, गहरी और सूचित भागीदारी हो. उन्होंने हाल ही में हुए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण का हवाला देते हुए बताया कि देश के लगभग 63 प्रतिशत परिवार प्रतिभूति उत्पादों के बारे में जानते हैं, लेकिन केवल 9.5 प्रतिशत परिवार ही निवेश करते हैं. शहरी क्षेत्रों में यह भागीदारी 15 प्रतिशत है, जबकि ग्रामीण इलाकों में मात्र 6 प्रतिशत. सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि केवल 36 प्रतिशत निवेशकों को ही बाजार का उच्च या मध्यम ज्ञान है.

मिडवेस्ट का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

अहमदाबाद, 12 अक्टूबर. क्वार्ट्ज प्रोसेसर मिडवेस्ट लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 15 अक्टूबर को खुलेगा.

कंपनी की ओर से शनिवार को यहां जारी बयान में कहा इसने अपने आने वाले आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,014 से 1,065 रुपये प्रति शेयर फिक्स कर दिया है. इससे 451 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है. इसका आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा और 17 अक्टूबर को बंद होगा.

एंकर बुक 14 अक्टूबर को खुलेगी और शेयर 24 अक्टूबर को लिस्ट करने का प्रपोजल हैं. इस आईपीओ में 250 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू है और 201 करोड़

रुपये का ऑफर फॉर सेल है. फ्रेश इश्यू से 130.3 करोड़ रुपये अपनी सब्सिडियरी मिडवेस्ट नियोस्टोन के क्वार्ट्ज फैसिलिटी के फेज टू एक्सपैंशन में लगेंगे. 25.7 करोड़ इलेक्ट्रिक डंप ट्रक्स खरीदने में और 3.2 करोड़ चुनिंदा माइंस में सोलर एनर्जी इंटीग्रेशन के लिए इस्तेमाल होंगे. इसके अलावा 56.2 करोड़ कर्ज चुकाने में जाएंगे, बाकी जनरल कॉर्पोरेट कामों के लिए है.

महंगाई के आंकड़े देंगे बाजार को दिशा

मुंबई, 12 अक्टूबर. बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरी साप्ताहिक तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर महंगाई के आंकड़ों के साथ कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी होगी.

आने वाले सप्ताह में खुदरा महंगाई और थोक महंगाई के सितंबर के आंकड़े जारी होने हैं. इसके अलावा कई दिग्गज कंपनियों की तिमाही परिणाम भी बाजार को प्रभावित कर सकते हैं.

बीते सप्ताह बाजार में तेजी रही. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,293.65

अंक (1.02 प्रतिशत) की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 82,500.82 अंक पर बंद हुआ. इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 391.10 अंक यानी 1.75 फीसदी चढ़कर 25,285.35 अंक पर पहुंच गया.

निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.56 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-50 सूचकांक 1.43 प्रतिशत चढ़ा. बीते सप्ताह आईटी कंपनियों में जबरदस्ती तेजी रही. एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 7.28 प्रतिशत चढ़ा. इंफोसिस में 4.68 फीसदी, टीसीएस में 4.35 फीसदी और टेक महिंद्रा में 4.03 फीसदी की तेजी रही. इटरनल का शेयर 6.06 प्रतिशत की बढ़त में रहा. बजाज फाइनेंस में 3.44 प्रतिशत, मारुति सुजुकी में 2.98 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक में 2.32 और भारतीय एयरटेल में भी 2.32 प्रतिशत की तेजी देखी गई. टाइटन का शेयर 2.29 प्रतिशत, सन फार्मा का 2.25 प्रतिशत बढ़त में बंद हुआ.

डिजिटल गोल्ड बना निवेश की नई पसंद

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर. बोनस द्वारा आयोजित वेबिनार गोल्ड एंड ग्रोथ- फेस्टिवल फंडा में देश के प्रमुख कमोडिटी विशेषज्ञों ने गोल्ड-सिल्वर की मौजूदा तेजी को लेकर अहम जानकारियां दीं. चर्चा में भाग लेने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि सोना और चांदी आने वाले 3-4 वर्षों तक निवेश के लिए मजबूत विकल्प बने रहेंगे. हालांकि, छोटी अवधि में मामूली गिरावटें संभव हैं. वेबिनार की शुरुआत द बोनस के संपादक अंशुमान तिवारी के स्वागत भाषण से हुई. आईबीजेए के राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र मेहता ने बीआईएस हॉलमार्क और बिल के साथ ज्वेलरी खरीदने की सलाह दी.

दाल-तेल-चीनी महंगी, चावल-गेहूं सस्ते

दालों में 105 रु. तक उछाल, गेहूं 26 रु. सस्ता

मूंगफली तेल 166 रुपये और सोया तेल 56 रुपये प्रति क्विंटल महंगा

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर. पिछले सप्ताह घरेलू थोक बाजारों में उपभोक्ताओं को राहत और चिंता दोनों का सामना करना पड़ा. एक ओर जहां चावल और गेहूं की कीमतों में नरमी देखी गई, वहीं दालों, खाद्य तेल और चीनी की कीमतों ने फिर से जेब पर बोझ बढ़ा दिया.

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह मिश्रित रुख देखने को मिला. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 37 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,774.53 रुपये प्रति क्विंटल पर रही. गेहूं भी 26 रुपये सस्ता होकर 2,849.28 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका. आटे की कीमत चार रुपये उतरकर सप्ताहांत पर 3,314.32 रुपये प्रति क्विंटल पर रही. बीते सप्ताह सरसों तेल की औसत कीमत 33 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी. पाम ऑयल में भी 20 रुपये की तेजी रही. मूंगफली तेल 166 रुपये और सोया तेल 56 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ. सूरजमखी तेल की कीमत 91 रुपये और वनस्पति की 79 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी.

दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत में 14 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक तेजी दर्ज की गयी. चना दाल की कीमत दो रुपये और मूंग दाल की 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी.

समाचार विशेष

भाजपा का सुपर प्लान तैयार!

चुनाव लड़ सकते हैं 3 दिग्गज सांसद, एक साथ सध जाएंगे कई समीकरण

पटना. बिहार चुनाव 2025 से पहले बीजेपी ने बड़ा दांव खेलने की तैयारी शुरू कर दी है. पार्टी इस बार सिर्फ स्थानीय नेताओं पर निर्भर नहीं रहना चाहतीए बल्कि अपने तीन दिग्गज सांसदों को विधानसभा चुनाव मैदान में उतारने की योजना बना रही है. सूत्रों के मुताबिकए बीजेपी का यह मास्टरस्ट्रोक एक साथ राजपूतए यादव और पिछड़ा समाज ;निषाद वर्गद्ध के वोट बैंक को साधने के लिए तैयार किया गया है. सूत्रों के अनुसारए बीजेपी अपने तीन प्रभावशाली सांसदों को बिहार विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बना सकती है.

बिहार की राजनीति में यादव वोट बेहद अहमियत रखते हैं, जिनकी आबादी करीब 14.3 प्रतिशत है. यह बड़ा वोट बैंक लंबे समय

से राष्ट्रीय जनता दल के साथ मजबूती से जुड़ा रहा है. ऐसे में बीजेपी यादव समाज, उत्तर बिहार और मिथिलांचल के वोटरों को साधने के लिए बीजेपी अपने एक दिग्गज सांसद को बिहार चुनाव के मैदान में उतार सकती है. यादव समाज से आने वाले इस सांसद का बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व के साथ मजबूत रिश्ता रहा है.

राजपूतों को दिया जाएगा बड़ा मैसेज

बिहार में 3.45 प्रतिशत राजपूत मतदाता हैं. बिहार में राजपूतों का बड़ा जनाधार है. ऐसे में राजपूत वोटरों को साधने के लिए बीजेपी एक बड़े राजपूत सांसद को बिहार चुनाव के मैदान में उतार सकती है. पटना समेत छपरा, सारण समेत बिहार के राजपूत वोटरों को बड़ा मैसेज देने के लिए बीजेपी एक बड़े राजपूत चेहरे को विधानसभा चुनाव लड़ाने की तैयारी में है. बीजेपी के इस नेता का अपने क्षेत्र में बड़ा प्रभाव माना जाता है.

निषाद समाज के लिए भी बड़ी प्लानिंग

बिहार की राजनीति में निषाद समुदाय एक उभरती हुई सियासी शक्ति है. 2023 की बिहार जाति जनगणना के अनुसार, निषाद समुदाय की आबादी करीब 5.5 प्रतिशत है जो इसे अति पिछड़ा वर्ग की एक प्रभावशाली उपजाति बनाती है. जातिगत आंकड़ों के लिहाज से मल्लाहों का प्रतिशत 2.6 है, वहीं निषाद, मल्लाह, केवट, बिंद, कश्यप जैसे सभी जल.आधारित पेशों से जुड़ी उपजातियों को मिलाकर इसे 8 से 9 प्रतिशत कहा जाता है.

ओवैसी बड़ा नुकसान करेंगे राजद का

पटना. बिहार चुनाव को लेकर आमतौर पर यह धारणा है कि असदुद्दीन ओवैसी को इस बार ज्यादा महत्व नहीं मिलेगा. पिछली बार उनकी पार्टी के पांच विधायक जीत गए थे लेकिन इस बार नहीं जीत पाएंगे.

ऐसा मानने का एक बड़ा कारण यह है कि इस बार बिहार में एनडीए के जीतने पर भाजपा का मुख्यमंत्री बनने की संभावना जताई जा रही है. आमतौर पर एनडीए की ओर से नीतीश कुमार दावेदार होते तो मुस्लिमों को चिंता नहीं रहती थी. लेकिन भाजपा का मुख्यमंत्री बनने की संभावना ने उनकी चिंता बढ़ा दी है. इस बात को ओवैसी भी समझ रहे हैं तभी उनकी पार्टी ने राजद और कांग्रेस दोनों से एप्रोच किया था कि उसे गठबंधन में शामिल किया जाए. राजद और कांग्रेस दोनों ने प्रस्ताव ठुकरा दिया.

अब ओवैसी 30 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. वे सीमांचल की सभी 24 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे. वहां उन्होंने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी है. उन्होंने बहादुरगंज से मोहम्मद तौसिफ आलम और बायसी से गुलाम सरवर को उम्मीदवार बनाया है. इसके अलावा उन्होंने पूर्वी चंपारण की ढाका सीट पर राणा रंजीत को टिकट दिया है.

चिराग को जन सुराज का ऑफर

बस पार्टी का विलय कर दें, मंत्री पद से भी बड़ा सम्मान मिलेगा

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की बिसात बिछने लगी है और एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर जारी खींचतान के बीच एक नई सूचना सामने आ रही है. माना जा रहा है कि चिराग पासवान और जीतन राम मांझी की मांगों के कारण मामला अटका हुआ है.

इस सियासी गहमागहमी के बीच चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने एक ऐसा दांव चला है, जिसने बिहार की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है. जन सुराज ने चिराग पासवान को गठबंधन का नहीं, बल्कि सीधे-सीधे अपनी पार्टी में विलय करने का खुला न्योता दिया है.

यह बड़ा बयान जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया. जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वे चिराग पासवान का अपनी पार्टी में स्वागत करेंगे, तो उन्होंने साफ कर दिया कि उनकी पार्टी किसी से गठबंधन नहीं करेगी. उदय सिंह ने कहा, हम तो सभी 243 सीटों पर अपनों को ही लड़ाएंगे. हां, चिराग पासवान जी को न्योता है कि वो अपनी पार्टी का हम लोगों के साथ विलय कर दें, तो ठीक है. जन सुराज ने सिर्फ विलय की शर्त ही नहीं रखी, बल्कि इसके बदले में चिराग पासवान को एक बड़ा सम्मान देने का वादा भी किया है.

विशेष: अखिलेश यादव और आजम खान की खामोश मुलाकात के क्या हैं मायने?

न चेहरे पर खुशी, न दिखी गर्मजोशी

रामपुर. समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के बीच बुधवार को रामपुर स्थित आजम खान के आवास पर करीब डेढ़ घंटे तक चली मुलाकात में पुरानी गर्मजोशी का अभाव साफ दिखाई दिया.

लगभग दो साल बाद हुई यह मुलाकात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई, लेकिन सामने आई तस्वीरों और बयानों से यह संकेत मिलता है कि दोनों नेताओं के बीच भावनात्मक दूरी बरकरार रही. अखिलेश ने मुलाकात के दौरान अपनी ओर से हर संभव प्रयास किया, लेकिन आजम खान के चेहरे पर वह उत्साह नहीं था, जो पहले उनकी मुलाकातों में देखा जाता था. आजम खान ने इस मुलाकात के लिए कुछ खास शर्तें रखी थीं, जिनका असर बैठक के माहौल पर साफ दिखा. उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि मुलाकात के दौरान तीसरा कोई व्यक्ति मौजूद नहीं होगा और अखिलेश उनकी पत्नी या बच्चों से मुलाकात नहीं करेंगे. इस शर्त के चलते रामपुर के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को बरेली भेज दिया गया, जहां उन्होंने बरेली एयरपोर्ट पर अखिलेश यादव से मुलाकात की. आजम ने ऐसा कर साफ संकेत दे दिया कि समाजवादी पार्टी में आज भी सबसे बड़ा मुस्लिम चेहरा वही हैं.

मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने पार्टी एकता और भविष्य की रणनीति पर बातचीत की कोशिश की, लेकिन आजम खान का रुख उदासीन रहा. पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा रही कि दोनों नेताओं के बीच हाथ मिलाने की औपचारिकता तो निभाई गई, लेकिन न तो चेहरे पर खुशी थी और न ही पुरानी गर्मजोशी. अखिलेश ने आजम को सपा के लिए फिर से सक्रिय होने का आह्वान किया, लेकिन आजम की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई.

राजनीतिक संदर्भ और दूरियां

पिछले दो सालों में आजम खान और अखिलेश यादव के बीच दूरियां बढ़ने की खबरें लगातार सामने आती रहीं. आजम खान की कानूनी परेशानियों और जेल से रिहाई के बाद उनकी सक्रियता कम होने की वजह से पार्टी में उनके रुख को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं. इस मुलाकात को सपा के भीतर एकता बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा था, खासकर आगामी चुनावों को देखते हुए. हालांकि, मुलाकात के बाद जारी बयानों में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का सम्मान जताया, लेकिन गहरे मतभेदों की ओर इशारा करने वाली खामोशी भी साफ थी. यह मुलाकात सपा के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ मानी जा रही है, क्योंकि पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति को मजबूत करने में जुटी है.

NASHIK MUNICIPAL CORPORATION, NASHIK
E-Tender Cell Department
Sinhastha Work - E-Tender Notice No.10 (2025-26)

Nashik Municipal Corporation, Nashik Public Works Department vide E-Tender Notice No. 10 (Year 2025-26) invites bids for 02 number of works which will be displayed on the website www.mahatenders.gov.in. from dt. 11/10/2025 to 27/10/2025 up to 3.00 pm. Last date for acceptance of tender will be dt.27/10/2025.

Note - All further necessary notices/clarifications will be published on the online website.

Sd/-
Executive Engineer
(Tender Cell)
Nashik Municipal Corporation

जनसंपर्क/जा.क्र/२८५/२०२५ दि.१०/१०/२०२५ गोदा प्रदुषण टाळा, भविष्य संभाळा.